दैनिक सामयिकी: ०८.०७.२०२१

KVIC की परियोजना बोल्ड

चर्चा में क्यों?

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत **खादी और ग्रामोद्योग आयोग** (KVIC) ने परियोजना **"सूखे भू-क्षेत्र पर बांस मरु-उद्यान"** (BOLD) शुरू किया है।
- परियोजना BOLD **राजस्थान के उदयपुर जिले के निकलमांडावा** के आदिवासी गांव से शुरू की जाने वाली देश में अपनी तरह की पहली परियोजना है।

प्रमुख बिंदु

परियोजना BOLD के बारे में:

- इसके लिए विशेष रूप से असम से लाए गए बांस की विशेष प्रजातियों- बंबुसा टुल्डा और बंबुसा पॉलीमोर्फा के **5,000 पौधों** को ग्राम पंचायत की लगभग 16 एकड़ खाली शुष्क भूमि पर लगाया गया है।
- इस तरह KVIC ने एक ही स्थान पर एक ही दिन में सर्वाधिक संख्या में **बांस के पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड** बनाया है।

आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा:

- यह आयोजन खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस **"आजादी का अमृत महोत्सव"** के उपलक्ष्य में आयोजित खादी बांस महोत्सव का हिस्सा है।
- KVIC अगस्त 2021 तक गुजरात और लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी इसी तरह की परियोजना शुरू करने वाला है। KVIC अगस्त 2021 से पहले कुल 15,000 बांस के पौधे लगाएगा।

नोट: हाल ही में, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, ISRO ने भी भारत का **मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस** प्रकाशित किया था। जो समय सीमा 2018-19 के लिए अवक्रमित भूमि का राज्यवार क्षेत्र प्रदान करता है।

पर्यावरण को लाभ:

- भूमि क्षरण को कम करने, भूमि मरुस्थलीकरण को रोकने, सतत विकास प्राप्त करने और खाद्य सुरक्षा मुद्दों को हल करने के लिए बांस महान स्रोत हैं।
- भूमि मरुस्थलीकरण को रोककर, यह मिट्टी की बांझपन, मिट्टी के कटाव और वनों की कटाई जैसी संबंधित समस्याओं को हल कर सकता है।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

मरुस्थलीकरण से लड़ने के लिए अन्य पहलें:

- मरुस्थलीकरण की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (भारत इसका हिस्सा है)
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन

स्रोत: PIB

WHO ने चीन को मलेरिया मुक्त घोषित किया

चर्चा में क्यों?

- **चीन** को मच्छर जनित बीमारी को समाप्त करने के 70 साल के प्रयास के बाद **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा **मलेरिया मुक्त** के रूप में प्रमाणित किया गया।
- **चीन** 1981 में ऑस्ट्रेलिया, 1982 में सिंगापुर और 1987 में ब्रुनेई के बाद **30 से अधिक वर्षों** में मलेरिया मुक्त घोषित होने **वाला पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में पहला देश** है।

प्रमुख बिंदु

- **चीन** ने अब लगातार चार वर्षों तक शून्य स्वदेशी मलेरिया के मामलों को बनाए रखा है, जो अनुमानित 30 मिलियन मामलों और 1940 के दशक में प्रति वर्ष 300,000 मौतों से कम है।

वैश्विक स्थिति:

- WHO द्वारा चीन 40वां प्रमाणित मलेरिया मुक्त क्षेत्र बन गया है।
- दर्जा हासिल करने वाले अंतिम देश अल सल्वाडोर (2021), अल्जीरिया और अर्जेंटीना (2019), और पराग्वे और उज्बेकिस्तान (2018) थे।

मलेरिया के बारे में:

- मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है जो परजीवी के कारण होती है जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों के काटने से लोगों में फैलती है।

WHO की विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार 2019 में दुनिया भर में मलेरिया के अनुमानित 229 मिलियन मामले थे। 2019 में मलेरिया से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 409000 थी।

नोट: WHO ने अपनी 'ई-2025 पहल' के तहत 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की क्षमता वाले 25 देशों की

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

भी पहचान की है।

भारत में पहल:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 2016 में मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा (NFME)। NFME मलेरिया के लिए WHO की वैश्विक तकनीकी रणनीति, 2016-2030 के अनुरूप है।
- मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना, 2017-22
- चार राज्यों (पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश) में हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट पहल
- हाई बर्डन वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक चलने वाले कीटनाशक जालों का वितरण
- ICMR द्वारा मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (MERA-भारत)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

इटली में भारतीय सेना स्मारक

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय सेना प्रमुख मनोज नरवणे** ब्रिटेन और इटली की अपनी यात्रा के दौरान **इटली के कैसिनो में भारतीय सेना स्मारक** का उद्घाटन करेंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध में, स्मारक 3,100 से अधिक राष्ट्रमंडल सैनिकों को याद करता है जिन्होंने इटली को मुक्त करने के प्रयास में भाग लिया था।
- इस स्मारक पर 900 भारतीय सैनिकों को भी याद किया गया।

प्रमुख बिंदु

इटली में भारतीय सेना:

- भारतीय सेना के तीन इन्फैन्ट्री डिवीजनों (चौथे, आठवें और दसवें डिवीजन) ने इतालवी अभियान में हिस्सा लिया था।

द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी:

- भारतीय सेना द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) के दौरान सबसे बड़ा स्वयंसेवी बल था, जिसमें 2.5 मिलियन (20 लाख से अधिक) भारतीय भाग लिए थे।

प्रथम विश्व युद्ध:

- प्रथम विश्व युद्ध (WWI) यूरोप में शुरू हुआ एक वैश्विक युद्ध था जो 28 जुलाई 1914 से 11 नवंबर 1918 तक चला।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

द्वितीय विश्व युद्ध:

- द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) एक वैश्विक युद्ध था जो 1939 से 1945 तक चला था। इसमें दुनिया के अधिकांश देशों को शामिल किया गया था - सभी महान शक्तियों सहित - दो विरोधी सैन्य गठबंधन: मित्र राष्ट्र और धुरी शक्तियां।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

8 राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति

चर्चा में क्यों?

- एक बड़े फेरबदल में, भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 8 नए राज्यपालों को नियुक्त किया और उन्हें नए राज्यों के प्रशासन का प्रभार दिया। कई का तबादला कर दिया गया, जबकि अन्य को नई नियुक्तियां दी गईं।
- केंद्रीय मंत्री और **भाजपा के राज्यसभा नेता थावरचंद गहलोत** को **कर्नाटक का राज्यपाल** नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- **थावरचंद गहलोत** को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **हरि बाबू कंभमपति** को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर** को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **मंगूभाई छगनभाई पटेल** को मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **सत्यदेव नारायण आर्य,** हरियाणा के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें त्रिपुरा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **पीएस श्रीधरन पिल्लई,** मिजोरम के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **बंडारू दत्तात्रेय,** हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें हरियाणा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **रमेश बैस,** त्रिपुरा के राज्यपाल, का तबादला कर झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

स्रोत: द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

केंद्र सरकार ने नये 'सहकारिता मंत्रालय' का गठन किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने **'सहकार से समृद्धि'** के स्वप्न को साकार करने के लिए एक अलग **'सहकारिता मंत्रालय'** का गठन किया है।
- सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय का गठन भी वित्त मंत्री द्वारा की गई बजट घोषणा को पूरा करता है।

प्रमुख बिंदु

- यह मंत्रालय देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढांचा प्रदान करेगा।
- हमारे देश में सहकारिता आधारित आर्थिक विकास मॉडल बहुत प्रासंगिक है जहां प्रत्येक सदस्य अपनी जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करता है।
- यह मंत्रालय सहकारी समितियों के लिए **'कारोबार में सुगमता'** के लिए प्रक्रियाओं को कारगर बनाने और **बहु-राज्य सहकारी समितियों (MSCS)** के विकास को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

स्रोत: PIB

महान अभिनेता दिलीप कुमार का निधन

चर्चा में क्यों?

- महान अभिनेता दिलीप कुमार, जो बॉलीवुड के ट्रेजेडी किंग के रूप में लोकप्रिय थे, का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- दिलीप कुमार, असली नाम यूसुफ खान, मुगल-ए-आज़म, नया दौर, देवदास, राम और श्याम, अंदाज़, गंगा जमुना और मधुमती सहित भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक फिल्मों में दिखाई दिए।
- वह **1954 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने वाले पहले अभिनेता** थे, और उन्होंने इसे कुल **8 बार** जीता था।
- उन्हें 1994 में दादा साहेब फालके और 2015 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज भी मिला।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now